एआई और 5जी को अपनाइए : अश्विनी वैष्णव

गोवा में 20-28 नवंबर तक होगा भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव

आईएफएफआई 2024 में दिखेंगी 180 फ़िल्में

नई दिल्ली, 20 नवंबर. केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को फ़िल्म निर्माताओं को अपने काम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यानी आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस या एआई, 5-जी और वर्चुअल प्रोडक्शन को अपनाने की सलाह दी.भारत के पश्चिमी तट पर बसे गोवा में 55वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव की शुरुआत से पहले लिखे गए एक संपादकीय में अश्विनी वैष्णव ने भारतीय अर्थव्यवस्था में रचनात्मक काम करने वालों के योगदान के बारे

में लिखा.

उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिएटर सिर्फ़ एक कथावाचक, यानी कहानियां सुनाने वाले से राष्ट्र-निर्माण करने वाले तक विकसित हो गए हैं.

30 अरब डॉलर का उद्योग है भारत की क्रिएटिव इंडस्ट्री...- भारत की क्रिएटिव इंडस्ट्री को 30 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग ?2,53,152 करोड़) का उद्योग बताते हुए अश्विनी वैष्णव ने उन सरकारी पहलों पर भी रोशनी डाली, जो कॉन्टेन्ट क्रिएशन और नवाचार, यानी इनोवेशन को बढ़ावा देती हैं.

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की इन पहलों में अगले साल, यानी वर्ष 2025 में फरवरी में आयोजित होने जा रहा विश्व ऑडियो-विज़ुअल एवं मनोरंजन शिखर सम्मेलन भी शामिल है.

आईएफएफआई 2024 में प्रदर्शित होंगी 81 देशों की 180 फ़िल्में...

गोवा में इस साल का भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव (आईएफएफआई), यानी भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव 20 से 28 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है. महोत्सव के दौरान 81 देशों की 180 अंतरराष्ट्रीय फ़िल्में प्रदर्शित की जाएंगी. महोत्सव में गोवानी फ़िल्मों पर एक विशेष खंड चलाया जाएगा, जिसमें स्थानीय प्रतिभा को स्थान देने वाली और स्थानीय परम्पराओं और संस्कृति का प्रदर्शन करने वाली 14 फ़िल्में प्रदर्शित की जाएंगी .भारतीय अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव की परेड जिस मार्ग पर चलेगी, उस पर स्काई लैन्टर्न प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी, जिसके प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे .आईएफएफआई परेड का आयोजन 22 नवंबर को श्वस्त्र कार्यालय स्थल से कला अकादमी तक किया जा रहा है.

केवाईसी उल्लंघन पर सख्त होगी कार्रवाई

आरबीआई ने बैंकों को चेताया, ग्राहक सेवा पर जोर

नयी दिल्ली, 20 नवंबर. भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने बैंकों को केवाईसी नियमों का सटीक पालन करने की सख्त हिदायत दी है. उन्होंने साफ कहा कि अगर बैंक इन दिशानिर्देशों का सही से पालन नहीं करेंगे, तो उनके खिलाफ कड़ी नियामकीय कार्रवाई की जाएगी.

डिप्टी गवर्नर ने चिंता जाहिर की कि कई बैंक अपने आंतरिक लोकपाल तंत्र को एक औपचारिक प्रक्रिया के रूप में लेते हैं. उन्होंने कहा कि यह तंत्र केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि ग्राहक समस्याओं को निष्पक्ष और तेज़ी से हल करने के लिए काम करे. बैंकों को चाहिए कि वे इसे मजबूत और प्रभावी बनाएं ताकि ग्राहक को सही मायने में न्याय मिल सके.

ग्राहकों का सम्मान है सबसे जरूरी- स्वामीनाथन ने बैंकों को सलाह दी कि वे ग्राहक-केंद्रित बैंकिंग पर काम करें. हर ग्राहक, चाहे उसकी आय, उम्र या पृष्ठभूमि कुछ भी हो, उसे महत्वपूर्ण और सम्मानित महसूस होना चाहिए. बैंक की नीतियां, प्रक्रियाएं और सेवाएं ऐसी हों जो हर स्तर पर पारदर्शी और निष्पक्ष दिखें.

डिजिटल और नैतिक बदलाव पर जोर

उन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय निगरानी और जोखिम प्रबंधन जैसी प्राथमिक जिम्मेदारियों के अलावा, बैंकों को डिजिटल तकनीक को अपनाने और नैतिक नेतृत्व स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाने चाहिए. आज के समय में, ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देना बैंकिंग क्षेत्र के लिए सबसे अहम हो गया है .डिप्टी गवर्नर ने स्पष्ट किया कि ग्राहक सेवा और पारदर्शिता को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

2028 तक किराना स्टोर्स की हिस्सेदारी 88 .9 प्रतिशत

74 प्रतिशत तक बढ़ेगा क्विक

46 प्रतिशत ग्राहकों ने स्टोर्स छोड़े

नयी दिल्ली, 20 नवंबर. ई-कॉमर्स के बाजार में उथल-पुथल लगी रहती है जहां पर आने वाले समय में किराना स्टोर्स की क्या स्थिति होती है इसका आंकलन लगा पाना मुश्किल है.

हाल ही में डेटाम की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पारंपरिक किराना स्टोर्स की बाजार हिस्सेदारी लगातार घट रही है, क्योंकि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रहे हैं.रिपोर्ट से पता चला है कि किराना स्टोर्स की बाजार हिस्सेदारी 2018 में 95 प्रतिशत से गिरकर 2023 में 92.6 प्रतिशत हो गई है और 2028 तक इसके और गिरकर 88.9 प्रतिशत होने का अनुमान है. यह बदलाव ऑनलाइन किराना खरीदारी के लिए उपभोक्ताओं की बढ़ती प्राथमिकता को दर्शाता है.

रिपोर्ट में 2024 में क्विक कॉमर्स सेगमेंट में 74 प्रतिशत की वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है, जिससे यह 2023-28 की अवधि के दौरान सबसे तेजी से बढ़ने वाला खुदरा चैनल बन जाएगा. 48 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के साथ, क्विक कॉमर्स किराना बाजार में क्रांति लाने के लिए तैयार है.इसमें कहा गया है कि क्विक कॉमर्स से किराना से ऑनलाइन ग्रॉसरी की ओर चैनल शिफ्ट बढ़ने की उम्मीद है.

क्विक कॉमर्स के आने से बदला बाजार

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि क्विक कॉमर्स के आगमन से पहले, किराना स्टोर अपने सुविधाजनक स्थानों और लचीले संचालन घंटों के कारण अनियोजित किराना खरीदारी के लिए प्राथमिक गंतव्य थे . इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि 2024 में अनुमानित 1 .28 बिलियन अमरीकी डॉलर की किराना बिक्री क्विक कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानांतरित होने की उम्मीद है, जो बाद की कुल बिक्री का 21 प्रतिशत है .

जीडीपी में गिरावट के आसार

दूसरी तिमाही में घटकर 6 .5 प्रतिशत रहने के आसार

इन 2 सेक्टर में आ सकती है मंदी

नयी दिल्ली, 20 नवंबर. भारी बारिश और कमजोर कॉर्पोरेट परफॉर्मेंस के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ रेट घटकर 6.5 प्रतिशत रहने के आसार हैं.

घरेलू रेटिंग एजेंसी इक्रा ने हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद के बीच समूचे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है. यह अनुमान और टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब शहरी मांग में कमी जैसे अनेक कारकों के कारण वृद्धि में मंदी की चिंताएं हैं.

माइनिंग और पावर सेक्टर में मंदी के आसार- भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2023-24 के 8.2 प्रतिशत से कम है. दूसरी तिमाही की आर्थिक गतिविधि के आधिकारिक आंकड़े30 नवंबर को जारी होने की उम्मीद है. पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी वृद्धि 6.7 प्रतिशत रही थी. इक्रा ने कहा कि दूसरी तिमाही में गिरावट भारी बारिश और कमजोर कॉर्पोरेट प्रदर्शन जैसे कारकों के कारण होगी. उसने कहा, ''हालांकि, सरकारी व्यय और खरीफ की बुवाई से सकारात्मक रुझान हैं, लेकिन औद्योगिक क्षेत्र खासकर खनन तथा बिजली में मंदी आने के आसार हैं.

सोने-चांदी के दामों में बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 20 नवंबर.घरेलू सर्राफा बाजार में सोना लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ है. इस चमकीली धातु की कीमत में 700 रुपये से लेकर 760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है. इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,230 रुपये से लेकर 77,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है.

इसी तरह 22 कैरेट सोना 70,810 रुपये से लेकर 70,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है. सोने की तरह ही आज चांदी भी 2,000 रुपये से अधिक उछल गया है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है.

बंधन लाइफ का उत्तर भारत में विस्तार

दिल्ली में शाखाओं पर बीमा प्लान होंगे उपलब्ध

नई दिल्ली, 20 नवंबर. देश की अग्रणी जीवन बीमा कंपनी बंधन लाइफ ने बुधवार को बंधन बैंक के साथ मिलकर उत्तर भारत में अपने विस्तार का एलान किया. बंधन लाइफ ने पूर्वी भारत में सफलता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पे अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए उत्तर भारत में विस्तार की योजना बनाई है.

कंपनी के विस्तार के बाद अब दिल्ली में मौजूद बंधन बैंक की 142 शाखाओं से बंधन लाइफ प्लान्स खरीद सकते हैं. दिल्ली में बंधन बैंक के ग्राहक अब बंधन लाइफ की उन्नत तकनीक आधारित समाधानों की मदद से अपनी जरूरतों के अनुसार तैयार की गई जीवन बीमा पॉलिसियां कुछ ही मिनटों में प्राप्त कर सकते हैं. बंधन लाइफ के एमडी एवं सीईओ सतीश्वर बी. ने बताया, हमें दिल्ली में बंधन बैंक के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करते हुए बेहद प्रसन्नता हो रही है. अब बंधन लाइफ के जीवन बीमा प्लान हमारे ग्राहकों को अधिक आसानी से उपलब्ध होंगे. इस साझेदारी से यह जाहिर होता है कि, हम सरल, भरोसेमंद और टेक्नोलॉजी पर आधारित जीवन बीमा योजनाएं उपलब्ध कराने के अपने इरादे पर अटल हैं. यह विस्तार जीवन बीमा को हर परिवार के लिए सरल बनाने के हमारे संकल्प की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

कोयला आयात में दर्ज हुई कमी

विद्युत संयंत्रों के कोयला आयात में आई गिरावट

नई दिल्ली, 20 नवंबर.देश में घरेलू कोयला आपूर्ति बढ़ने के कारण इसके आयात में गिरावट दर्ज हुई है. चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि के दौरान गैर-विनियमित क्षेत्रों का कोयला आयात 9.83 फीसदी घटकर 63.28 मीट्रिक टन रह गया.

पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में एनआरएस ने 70.18 मीट्रिक टन कोयला आयात किया था. इसी तरह मिश्रण उद्देश्य के लिए घरेलू ताप विद्युत संयंत्रों का कोयला आयात भी अप्रैल-सितंबर अवधि में 8.59 फीसदी घटकर 9.79 मीट्रिक टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 10.71 मीट्रिक टन रहा था. कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल कोयला आयात पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 127.78 मीट्रिक टन की तुलना में 1.36 फीसदी बढ़ कर 129.52 मीट्रिक टन हो गया. वहीं, मूल्य के संदर्भ में अप्रैल-सितंबर के दौरान कुल आयातित कोयला 1,38,763.50 करोड़ रुपये रहा.

नोकिया ने भारती एयरटेल से की ये बड़ी डील

शहरों और प्रदेशों में 4जी और 5जी लगाएगी उपकरण

नयी दिल्ली, 20 नवंबर. स्मार्टफोन मार्केट में बुधवार को फिनलैंड की दूरसंचार उपकरण कंपनी नोकिया ने भारती एयरटेल से कई साल का, कई अरब डॉलर का सौदा हासिल किया है. इसके तहत नोकिया भारत के प्रमुख शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण लगाएगी.

बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई. अनुबंध के अनुसार, नोकिया अपने 5जी एयरस्केल पोर्टफोलियो से उपकरण तैनात करेगी. इनमें बेस स्टेशन, बेसबैंड इकाइयां और विशाल एमआईएमओ रेडियो की नवीनतम पीढ़ी शामिल है, जो सभी इसकी ऊर्जा-कुशल 'रीफशार्क सिस्टम-ऑन-चिप तकनीक' द्वारा संचालित हैं.

आपको बताते चलें कि, बयान में कहा गया,

नोकिया को भारती एयरटेल द्वारा प्रमुख भारतीय शहरों और राज्यों में 4जी और 5जी उपकरण तैनात करने के लिए कई वर्षों के लिए कई अरब डॉलर का विस्तार ठेका दिया गया है. ये समाधान एयरटेल के नेटवर्क को असाधारण 5जी क्षमता और कवरेज के साथ बढ़ाएंगे और इसके नेटवर्क विकास का समर्थन करेंगे.

चना दाल नरम, खाद्य तेलों में टिकाव

नयी दिल्ली 20 नवंबर (वार्ता) विदेशी बाजारों में स्थिरता के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में चना दाल में नरमी देखी गयी जबकि खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा. तेल-तिलहन - वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 116 रिंगिट उबलकर 5119 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया. इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.12 सेंट की तेजी के साथ 45.56 सेंट प्रति पौंड बोला गया.

समाचार विशेष

महाराष्ट्र में महायुति बनाम महा विकास अघाड़ी

जानें किसके पक्ष में कौन सा फैक्टर कर रहा

मुंबई,20 नवंबर. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो रहा है. प्रदेश की सभी 288 विधानसभा सीटों पर 4136 उम्मीदवारों की किस्मत दांव पर लगी है, जिसका फैसला 9.70 करोड़ मतदाता करेंगे. बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन (महायुति) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन (महा विकास अघाड़ी) के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है.

इस बार का विधानसभा चुनाव दोनों ही गठबंधनों के लिए सत्ता की लड़ाई नहीं है बल्कि अपने सियासी अस्तित्व और पहचान के लिए भी है.पांच साल में महाराष्ट्र की सियासत में बहुत कुछ बदल चुका है. शिवसेना और एनसीपी दो-दो धड़ों में बट चुकी है और एक दूसरे के

खिलाफ मुकाबले में खड़ी नजर आ रही है. महायुति का हिस्से बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी है तो महाविकास अघाड़ी में कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एस) खड़ी नजर आ रही.

कौन सी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ रही चुनाव?- महायुति गठबंधन से बीजेपी सबसे ज्यादा 149 सीट पर चुनाव लड़ रही है, तो शिंदे की शिवसेना ने 81 और अजीत पवार की एनसीपी 59 सीट पर चुनावी किस्मत आजमा रही है. बीजेपी ने चार सीट पर छोटे दलों के लिए छोड़ी है, जिसमें रामदास अठावले की आरपीआई, युवा स्वाभिमान पार्टी, जन सुराज्य शक्ति पार्टी और आरएसपी ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं. इसी तरह महा विकास अघाड़ी में 101 विधानसभा सीट पर कांग्रेस तो शरद पवार की एनसीपी (एसपी) 86 सीट और उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) 95 सीटों पर चुनाव लड़ रही है. इसके अलावा बसपा-237, वीबीएस-200, एआईएमआईएम-17 और सपा 9 सीट पर चुनाव लड़ रही.

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और महा विकास अघाड़ी के बीच भले ही कांटे की टक्कर हो, लेकिन पिछले छह विधानसभा चुनावों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है . ऐसे में छोटे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, लेकिन महायुति और महा विकास अघाड़ी दोनों ही गठबंधन अपने दम पर सरकार बनाने के लिए जोर लगा रहे हैं . हालांकि, इस बार का महाराष्ट्र का सियासी मिजाज पूरी तरह से एक नहीं है, कहीं महायुति का सियासी पलड़ा भारी है तो कहीं महा विकास अघाड़ी को बढ़त मिलने की संभावना दिख रही है .इस बार सीट वाइज फाइट होती दिख रही है . ऐसे में किसके साथ कौन सा फैक्टर काम कर रहा है?

सुशील शिंदे का उद्धव ठाकरे पर बड़ा हमला

सोलापुर,20 नवंबर महाराष्ट्र में मतदान के बीच कांग्रेस के कद्दावर नेता सुशील कुमार शिंदे ने उद्धव के उम्मीदवार के साथ खेल कर दिया है. अपनी सांसद बेटी के साथ मतदान करने के बाद सुशील शिंदे ने कहा कि सोलापुर दक्षिण सीट पर हम निर्दलीय उम्मीदवार धर्मराज कराडी का समर्थन कर रहे हैं.

शिवसेना (यूबीटी) की तरफ से यहां अमर रजनीकांत पाटिल चुनाव लड़ रहे हैं. उद्धव के साथ बीच मतदान में हुए इस खेल की सियासी गलियारों में चर्चा हो रही है.

सुशील शिंदे ने क्या कहा है?- बेटी परिणीति शिंदे के साथ मतदान करने के बाद सुशील शिंदे ने कहा कि यह सीट कांग्रेस का गढ़ रहा है. शिवसेना (यूबीटी) ने जिद कर इसे ले लिया. हम पूर्व विधायक दिलीप माने को यहां से उम्मीदवार बनाना चाह रहे थे, लेकिन पार्टी ने उन्हें सिंबल नहीं दिया.शिंदे ने आगे कहा कि हमने निर्दलीय धर्मराज कराडी को समर्थन देने का फैसला किया है. कराडी ही बीजेपी के सुभाष देशमुख को हराएंगे. कराडी का सियासी भविष्य उज्वल है.

राउत ने जताई थी आशंका

मतदान से पहले ही संजय राउत ने इस बात की आशंका जताई थी . राउत ने कहा था कि कुछ सीटों पर कांग्रेस के लोग सांगली मॉडल लागू कर रहे हैं . लोकसभा चुनाव में सांगली लोकसभा सीट पर कांग्रेस के नेताओं ने निर्दलीय विशाल पाटिल को समर्थन दे दिया था . चुनाव में उद्धव के उम्मीदवार तीसरे नंबर पर पहुंच गए थे . पाटिल ने चुनाव बाद कांग्रेस को समर्थन दे दिया .राउत की इस आशंका का कांग्रेस के प्रभारी रमेश चेन्निथल्ला ने खारिज किया था . चेन्निथल्ला का कहना था कि गठबंधन धर्म का पालन किया जाएगा . जो भी इसका पालन नहीं करेंगे, उस पर सख्त कार्रवाई होगी .ऐसे में अब सबकी नजर सुशील कुमार शिंदे पर है .

1.14 लाख परिवारों में छाई खुशियां : जदयू अध्यक्ष

पटना, 20 नवंबर (वार्ता) बिहार जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आज कहा कि नियोजित शिक्षकों को सक्षमता परीक्षा के जरिए राज्यकर्मी का दर्जा देकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के 1.14 लाख से अधिक घरों में खुशियां बिखेरा है. कुशवाहा ने बुधवार को बयान जारी कर कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना नीतीश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है. वर्ष 2005 में बिहार का शिक्षा बजट करीब चार करोड़ रुपये था जो वर्तमान में बढ़कर 56 हजार 382 करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है.

विशेष **सर्वे हुआ शुरू, जल्द होगा भूमि अधिग्रहण का काम**

नोएडा के पास बसाया जा रहा नया शहर

नोएडा,20 नवंबर दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है. जल्द ही यहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त एक नया शहर बसाया जाएगा. न्यू नोएडा के नाम से बसाए जा रहे इस शहर का विकास डेडीकेटेड दादरी-नोएडा-गाजियाबाद इन्वेस्टमेंट रीजन के तहत किया जाएगा. इसके मास्टर प्लान को पिछले दिनों ही शासन से मंजूरी मिली थी. इसके बाद जमीन अधिग्रहण के लिए सर्वे का काम भी शुरू हो गया है.

इस शहर को बसाने के लिए जोखाबाद गांव में अस्थायी कार्यालय खोला जाएगा. इसके लिए नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने हाल ही में बुलंदशहर के सिकंदराबाद का सर्वे किया. इस कार्यालय

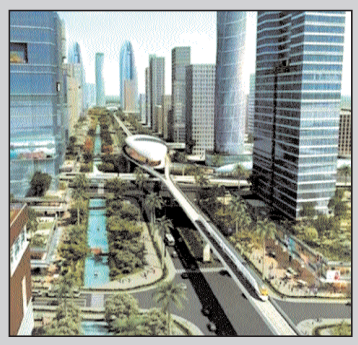

से भूमि अधिग्रहण के अलावा विकास कार्यों की भी निगरानी की जाएगी. बता दें कि न्यू नोएडा को बसाने के लिए गौमतबुद्धनगर में करीब 20 और बुलंदशहर के 20 गांवों का अधिग्रहण किया जाएगा. पहले चरण में 3,165 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण 2027 तक पूरा किया जाएगा. इसके बाद 2027 से 2032 के बीच 3,798 हेक्टेयर, 2037 तक 5,908 हेक्टेयर, और 2041 तक 8,230 हेक्टेयर भूमि विकसित की जाएगी.

मास्टर प्लान को शासन से मिली मंजूरी- यूपी सरकार ने इस योजना के लिए मास्टर प्लान 2041 को मंजूरी दे दी है. इस शहर का 40 फीसदी हिस्सा औद्योगिक विकास के लिए आरक्षित रखा गया है. वहीं 13 फीसदी हिस्से पर आवासीय परियोजनाएं होंगी. इसके अलावा 18 फीसदी हिस्सा ग्रीन बेल्ट और एंटरटेनमेंट के लिए छोड़ा गया है. इसके अलावा 4 फीसदी हिस्सा कमर्शियल होगा.

औद्योगिक विकास को मिलेगी रफ्तार

इस शहर को औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लि बसाया जा रहा है . एक तरफ यह प्रमुख रूप से सड़क मार्ग से जुड़ेगा तो दूसरी तरफ दिल्ली-मुंबई औद्योगिक गलियारे और पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा . इसके अलावा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट भी इसके नजदीक होगा . अगले साल से यहां नियमित फ्लाइट भी शुरू होने जा रही हैं . इससे देश-विदेश में अपने माल को पहुंचाना आसान हो जाएगा .

संस्थाओं और अन्य प्रोटेक्ट्स के लिए आरक्षित होगी.